खण्ड—स **2×14=28**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का है।

10. नीतिकाव्य के उद्‌भव एवं विकास पर लेख लिखिए।

11. 'स्वप्नवासवदत्तम्' नाटक के आधार पर महाकवि भास की भाषा-शैली की समीक्षा कीजिए।

12. 'स्वप्नवासवदत्तम्' नाटक के आधार पर यौगन्धरायण का चरित्र-चित्रण कीजिए।

13. हितोपदेश मित्रलाभ की वर्तमान प्रासंगिकता की विवेचना कीजिए।

SA–01

December – Examination 2022

B.A. (Part I) Examination

SANSKRIT

(Natak, Katha-Sahitya, Chhand Evam Alankar)

नाटक, कथा-साहित्य, छन्द एवं अलंकार

Paper : SA-01

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **70***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **7×2=14**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) नाटक में लास्य का समावेश किसने किया ?

   (ii) 'कंसवध एवं बलिवध' नाटक का उल्लेख किस ग्रन्थ में मिलता है ?

(iii) वासवदत्ता की धात्री का क्या नाम था ?

(iv) चित्रग्रीव किस पक्षी का नाम है ?

(v) भास कृत किन्हीं **दो** नाटकों के नाम लिखिए।

(vi) 'छन्दोमंजरी' ग्रन्थ के प्रणेता कौन हैं ?

(vii) 'सौन्दर्यमलंकारः' यह किस विद्वान की उक्ति है ?

खण्ड—ब **4×7=28**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का है।

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए :

(अ) पूर्वं त्वयाप्यभिमतं गतमेवमासी-
च्छलाघ्य गमिष्यसि पुनर्विजयेन भर्तुः।
काल-क्रमेण जगतः परिवर्तमाना।
चक्रारः पंक्तिरिव गच्छति भाग्य-पंक्तिः।

अथवा

(ब) श्लाघ्यामवन्तिनृपतेः सदृशीं तनूजां,
कालक्रमेण पुनरागतदारभारः।
लावाणके हुतवहेन हृताङ्गयष्टिं
तां पद्मिनी हिमहतामिव चिन्तयामि॥

3. महाकवि भास कृत कृतियों का उल्लेख कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** सूक्तियों की व्याख्या कीजिए :

(क) अनतिक्रमणीयो हि विधिः।

(ख) दुखं त्युक्तं बद्धमूल्योऽनुरागः स्मृत्वा स्मृत्वा याति दुखः नवत्वम्।

(ग) प्रद्वेषो बहुमानो वा संकल्पादुपजायते।

(घ) तपोवनानि नामातिथिजनस्य स्वगेहम्।

5. निम्नलिखित छन्दों के लक्षण तथा उदाहरण दीजिए :

(क) वसन्ततिलका

(ख) इन्द्रवज्रा

(ग) स्रग्धरा

(घ) मालिनी

6. नीतिकथाओं की हिन्दी की **चार** विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

7. भास के कालनिर्णय का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

8. जरद्गव (गीध) तथा दीर्घ कर्ण (बिलाव) की कथा का सारांश एवं शिक्षा लिखिए।

9. निम्नलिखित अलंकारों में से किन्हीं **दो** अलंकारों के लक्षण तथा उदाहरण प्रस्तुत कीजिए :

(क) श्लेष

(ख) स्वभावोक्ति

(ग) उत्प्रेक्षा

(घ) सन्देह